

ಕ್ರ.ಸಂ 35294

ರಾಜಿವ್ ಗಾಂಧಿ ಆರೋಗ್ಯ ವಿಜ್ಞಾನಗಳ ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯ  
ಕರ್ನಾಟಕ



RAJIV GANDHI UNIVERSITY OF HEALTH SCIENCES  
KARNATAKA

ಡಾ|| ನವೀನ್ ಶರ್ಮಾ

ರವರು, ಪದವಿಗೆ ಯಥಾ ಯೋಗ್ಯವಾದ ಅವಶ್ಯಕತೆಗಳನ್ನು

ಮಾರ್ಚ್ 2006 ರ ಪರೀಕ್ಷೆಯಲ್ಲಿ ಪೂರೈಸಿರುವರೆಂದು ದೃಢೀಕರಿಸುತ್ತಾ

ಆಯುರ್ವೇದಾಚಾರ್ಯ (ಬ್ಯಾಚುಲರ್ ಆಫ್ ಆಯುರ್ವೇದಿಕ್ ಮೆಡಿಸಿನ್ ಅಂಡ್ ಸರ್ಜರಿ)

ಪದವಿಯನ್ನು ಕುಲಾಧಿಪತಿ, ಸಮಕುಲಾಧಿಪತಿ, ಕುಲಪತಿ ಹಾಗೂ ಸೆನೆಟ್ ಮತ್ತು ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ ಸದಸ್ಯರುಗಳಾದ

ನಾವುಗಳೇ ಮಾರ್ಚ್ ೨೦೦೮ ರಂದು ನಡೆದ ೧೦ ನೇ ಘಟಿಕೋತ್ಸವದಲ್ಲಿ

ವಿಶ್ವವಿದ್ಯಾಲಯದ ಅಧಿಕಾರ ಮುದ್ರೆಯೊಡನೆ ಪ್ರದಾನ ಮಾಡಿದ್ದೇವೆ.

*We, the Chancellor, the Pro-Chancellor, the Vice-Chancellor and the members of the Senate and the Syndicate confer*

**AYURVEDACHARYA (BACHELOR OF AYURVEDIC MEDICINE AND SURGERY)**  
*on*

**Dr. NAVEEN SHARMA**

*in recognition of fulfillment of the requirements for the said*

*Degree in the examination held during* **MARCH 2006**

*Given under the seal of the University, in the*

*10<sup>th</sup> convocation held on* **29<sup>th</sup> March 2008**



*S N Sharma*

Vice-Chancellor



Bangalore

Date : 29/03/2008

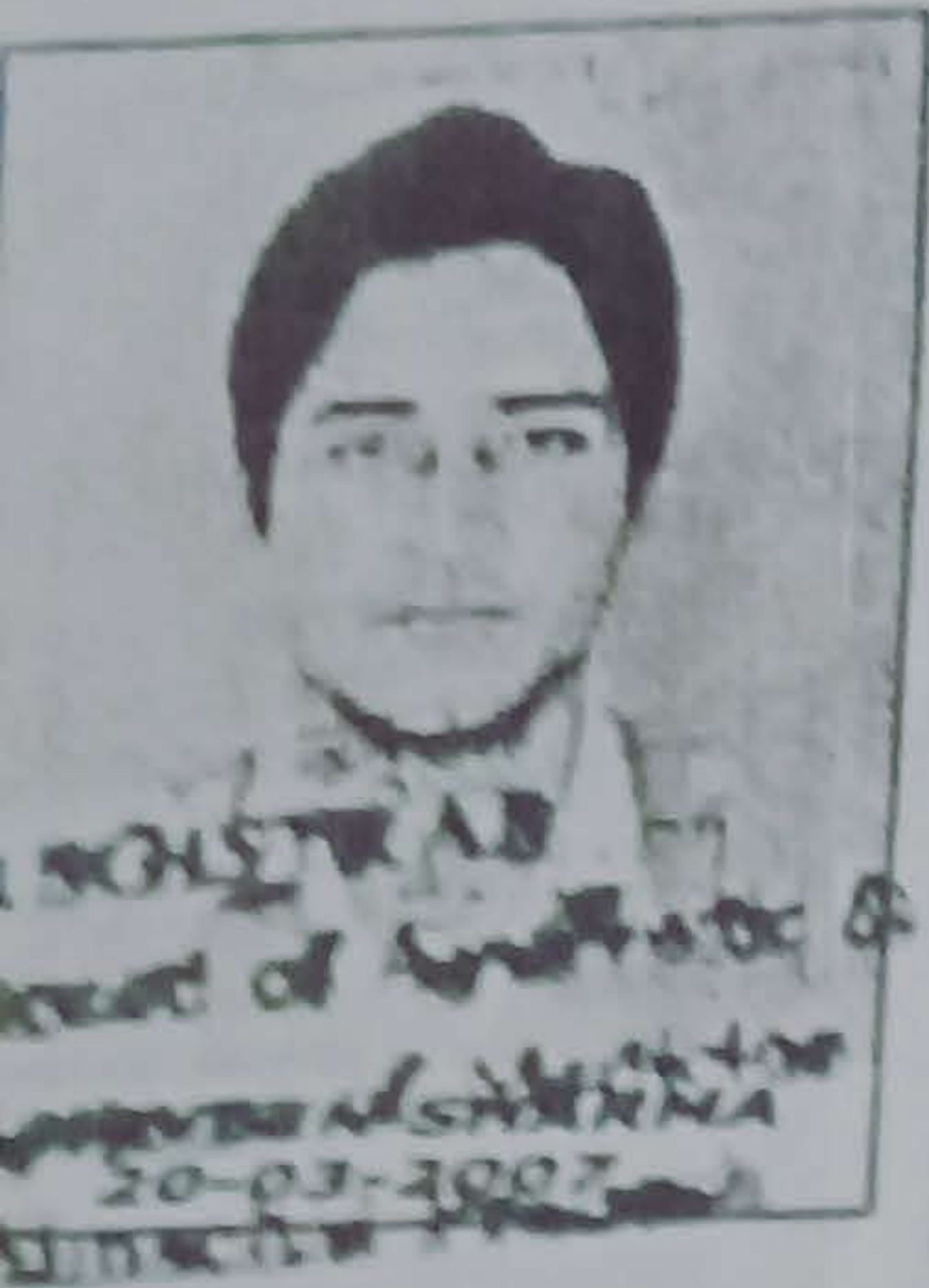
Reg. No. : 01A8415

College : TMAE SOCIETY'S AYURVEDIC MEDICAL COLLEGE, BANGALORE

2266

# आयुर्वेदिक एवम् यूनानी चिकित्सा पद्धति बोर्ड

पंजीकरण प्रमाणपत्र



शिमला नवीन शर्मा,

मैं प्रमाणित करता हूँ कि श्री/श्रीमती/कुमारी

श्री/श्रीमती/कुमारी श्री... **डॉ. न. चन्द्र शर्मा**, ..... को हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक एवम् यूनानी व्यवसायी  
अधिनियम, 1968 के अन्तर्गत **भाग प्रथम में आयुर्वेदिक चिकित्सक** के रूप में दिनांक... **30-6-2009**..... को  
पंजीकृत कर लिया गया है।

बी०ए०एम०एस०:मार्च-2006:

योग्यताएं राजीव गाँधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय कनाटक बंगलौर

जन्म तिथि... 19-1-1982... ::

पता... गाँव वं डांकं चमनेड़,

...तहसील व जिला हमीरपुर हिमाचल प्रदेश

टिप्पणियाँ:—

- (1) यह प्रमाण-पत्र इसके धारक को केवल हिमाचल प्रदेश के अन्दर ही व्यवसाय चलाने का अधिकार देता है।
- (2) यह प्रमाणपत्र वर्ष... **2009**.....के लिए मुद्रित पंजिका के प्रकाशन तक केवल पंजीकरण का साध्य होगा।

*(Signature)*  
पंजीयक।

2-07-2009, 198

### आवश्यक सूचना

प्रत्येक पंजीकृत व्यवसायी को इस बारे में सावधान रहना चाहिए कि यदि उसके पंजीकरण में कोई परिवर्तन हो जाए तो उसकी सूचना पंजीयक को तुरन्त भेजी जाए और इस सम्बन्ध में पंजीयक द्वारा यदि कोई पृष्ठताछ की जाए तो उसका उत्तर तुरन्त भेजा जाए ताकि उसकी सूचना पंजीकृत पता पंजिका में दर्ज हो सके अन्यथा हिमाचल प्रदेश आयुर्वेदिक एवम् यूनानी व्यवसायी अधिनियम, 1968 की धारा 14(5) के अन्तर्गत व्यवसायी का नाम पंजिका में से हटाया जा सकता है।

Attested